कांग्रेस की पापगाथा

संकलनकर्ता : राजेश शर्मा

आतंकवाद, बेरोजगारी, धर्मांतरण, कालाधन, महँगाई, निर्दोषो की हत्या, विदेशी कम्पनियों की लूट, बिकाऊ एन.जी. ओं. द्वारा कांग्रेस कैसे भारत को गुलाम बना रही है।

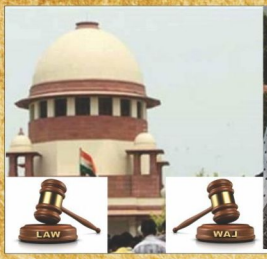

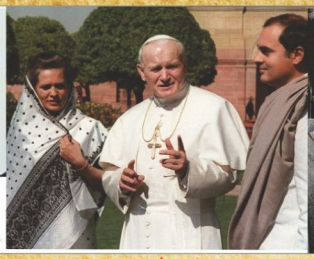

भारत में आज ३४,७३५ कानून अंग्रेजों के ।

अंग्रेजों की बनायी चीजें वैसे ही रखी जायेंगी।

नक्सलवादियों ने २४ सालों में ९ हजार लोगों की हत्या की। भारत का १५० लाख करोड़ रुपये कालाधन कांग्रेस के संरक्षण में विदेशों में जमा, एक हजार लाख करोड़ कालाधन भारत में ही जमा।

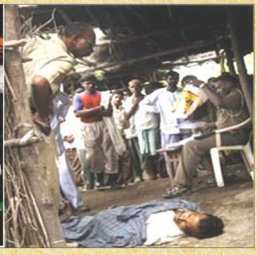

अंग्रेज व्हीलर ने २४ हजार लोगों को जान से मरवा दिया

१९९७ तक भारत की संसद में वन्दे मातरम् नहीं गाया गया

भारत में रोज ५८ किसानों द्वारा आत्महत्या ।

८ लाख हिन्दू अपना घर-बार छोड़ने पर मजबूर, हजारों की हत्या, २५,००० हिन्दू राहत शिविरों में रहने पर मजबूर, उनके हजारों मंदिरों को तोड़ दिया गया ।

कांग्रेस की राष्ट्रद्रोही पापगाथा

भारत में एक ईसाई अंग्रेज ए ओ ह्यूम ने सन १८८५ में कांग्रेस की स्थापना अंग्रेजों के व्यापारिक व साम्रज्यवादी हितों के लिए की थी। कांग्रेस ने सन् १९४३ से सन् २०१४ तक के विगत ७१ वर्षों में देश के साथ अनेक गम्भीर, भयानक तथा अछम्य पाप किये हैं । प्रमाणिक सूचना के अनुसार भारत का कालाधन अब तक लगभग १५० लाख करोड़ कांग्रेस के संरक्षण में देश के बाहर जा चुका है तथा एक हजार लाख करोड़ रुपये कालाधन के रुप में भारत में ही जमा है। जो धन जनता की भलाई में खर्च किया जाना था वह भ्रष्ट नेताओं की तिजोरियों में पहुँच गया।

आज भारत में ८३ करोड़ ६० लाख लोग केवल २० रुपये रोज पर गुजारा कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार कहती है २८ रुपए रोज कमाने वाला गरीब नहीं होता। गरीबी के कारण हर एक घंटे में २ किसान आत्महत्या करते हैं। संसद का बयान है कि ८० प्रतिशत लोग लगभग कंगाल और बेरोजगार हैं। ९० हजार बच्चे हर वर्ष गायब हो जाते हैं। भारत में २००९ से २०११ के बीच करीब ६८ हजार बलात्कार के मामले दर्ज किए गए तथा जिनकी एफआईआर नहीं होती वो इससे चौगने हैं। २४,६२७ बलात्कार हर वर्ष होते हैं। भारत विभाजन के दौरान हुई हिंसा में करीब ५ लाख लोग मारे गये और करीब १ करोड़ ४५ लाख लोग अपना घर बार छोड़कर शरणार्थी बन गये। १९५१ की विस्थापित जनगणना के अनुसार ७२,२६,००० मुसलमान भारत से पाकिस्तान व ७२,४९,००० हिन्दू पाकिस्तान से भारत आये। आजादी के बाद से अब तक कश्मीर,केरल व आसाम से ८ लाख लोगों को अपने घरों से भगा दिया गया व लाखों लोग राहत शिविर में रहने पर मजबूर हुये । भारत में सिर्फ नक्सलियों ने २४ सालों में ९,००० निर्दोष लोगों की हत्या की। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, वालिस्तान आदि महत्वपूर्ण क्षेत्र पर चीन व पाकिस्तान कुंडली मार रहे हैं। कांग्रेस सरकार द्वारा असम के बोराइबारी क्षेत्र की १६० एकड़ और पालाताल की ३६० एकड़ जमीन बांग्लादेश को सौंपी जा रही है।

कांग्रेस ने देश का गला घोंटा

राजनैतिक स्वार्थ के लिए स्वार्थी सेकुलरवादी नेताओं ने ९० करोड़ हिन्दूओं के साथ विश्वासधात करके देश को पवित्र हिन्दू राष्ट्र बनाने के बजाय एक अपवित्र, धर्महीन, चरित्रहीन सेकुलर धर्मशाला बना दिया । जहाँ बहुसंख्यक हिन्दु दोयम दर्जे के नागरिक हो गये । इंदिरा ने हिन्दुओं के संस्कृति को खत्म करने के लिये नशबन्दी करना चालू किया तथा संसद के सामने आये हिन्दुओं पर गोलियाँ चलवायीं। राजीव ने हिन्दुओं और मुसलमानों के लिए अलग-अलग कानून बनवाये जो विश्व में कहीं भी नहीं है तथा सन् १९८४ में ८,००० हिन्दू सिखों को खुलेआम कत्ल करवाया।

सोनिया सरकार ने हिन्दुओं को खत्म करने के लिए अमरनाथ यात्रा पर कर, हिन्दु मन्दिरों का अधिग्रहण, हिन्दू विवाह कानून, दहेज प्रथा कानून और सांप्रदायिक हिंसा विरोधी बिल इत्यादि लाया। बोफोर्स घोटाला, राष्ट्र मंडल खेल घोटाला, २ जी स्पेक्ट्रम घोटाला, आदर्श सोसाईटी आदि..आदि घोटाला कांग्रेस ने किये एवं सोनियाने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा घोषित अपराधिक समलैंगिक संबंधों का सर्मथन किया। भगवान श्री रामजी के अस्तित्व को नकार दिया, श्री रामसेतु तोड़ने की साजिश की व भारत में धर्मांतरण की खुली छूट करवायी। स्वामी लक्ष्मणानंद, स्वामी शांतिकालीजी की गोलीमार कर हत्या । स्वामी अमृतानंद व स्वामी असीमानंद के मुँह में गौमांस ठूसा गया व गुप्तांग में बिजली के शॉक लगवाये ।

सम्पूर्ण भारत पर अलोकतांत्रिक ढंग से कांग्रेस का कब्जा रहा । दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले भारत देश में एक दशक से अधिक मतदान चुनाव-यंत्र EVM से ही किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सच्चाई को लेकर लोगों में संशय है । जब हमारे पास पर्चेवाली मतदान प्रक्रिया थी । उस समय धोखाधड़ी बहुत कम मात्रा में व किसी एक निर्वाचन-क्षेत्र में या बूथ तक सीमित थी लेकिन यह EVM से व्यापक स्तर पर धोखाधड़ी है । २००९ के चुनाव में करीवन ९० सीटें काँग्रेस ने EVM से फ्राड के द्वारा ही जीती । इस चुनाव में ११३ जगहों पर अन्य पार्टियों को ०, १, या २ ही वोट मिले जो असम्भव है ।

सत्ता के हस्तांतरण की संधि

Transfer of Power Agreement

- स्वर्गीय श्री राजीव दीक्षित

१४ अगस्त १९४७ की रात को जो कुछ हुआ वह आजादी नहीं थी बल्कि सत्ता हस्तांतरण (Transfer of Power) का समझौता हुआ था। रात को १२ बजे लार्ड माउन्टबेटन ने अपनी सत्ता काले अंग्रेज मुसलमान नेहरू के हाथ में सौंपी थी और हम भारतवासियों ने मान लिया कि स्वराज्य आ गया। अंग्रेज कहते थे कि हमने स्वराज्य दिया, माने अंग्रेजों ने अपना राज्य तुमको सौंपा है ताकि तुम लोग कुछ दिन इसे चला लो और जब जरूरत पड़ेगी तो हम दुबारा आ जायेंगे। ये अंग्रेजों की कूटनीति की interpretation (व्याख्या) थी और हिन्दुस्तानी लोगों की व्याख्या क्या थी कि हमने स्वराज्य ले लिया। इस संधि के अनुसार ही भारत के दो टुकड़े किये गए और भारत और पाकिस्तान नामक दो डोमीनियन राज्य (Dominion States) बनाये गए। अर्थात एक बड़े राज्य के अधीन एक छोटा राज्य, ये शाब्दिक अर्थ हैं और भारत के सन्दर्भ में इसका असल अर्थ भी यही है। डोमीनियन राज्य और स्वतंत्र राज्य (Independent Nation) में जमीन आसमान का अंतर होता है। यह जो तथाकथित आजादी आयी, इसका कानून अंग्रेजों की संसद में बनाया गया।

दुर्भाग्यपूर्ण शर्तें

१) भारत ब्रिटेन का उपनिवेश : सत्ता हस्तांतरण की संधि की शर्तों के मुताबिक हम आज भी अंग्रेजों के अधीन/मातहत ही हैं। ब्रिटेन की महारानी हमारे भारत की भी महारानी है और वो आज भी भारत की नागरिक है और हमारे जैसे ७१ देशों की महारानी है। कॉमनवेल्थ (Commonwealth Nations) में ७१ देश हैं। भारत आज भी ब्रिटेन का उपनिवेश है इसलिए ब्रिटेन की महारानी को भारत में पासपोर्ट और वीजा की जरूरत नहीं होती है ।

२) भारत नहीं इंडिया : भारत का नाम इंडिया (INDIA) रहेगा और सारी दुनिया में भारत का नाम इंडिया प्रचारित किया जायेगा। सारे सरकारी दस्तावेजों

में इसे इंडिया के ही नाम से संबोधित किया जायेगा। हमारे और आपके लिए ये भारत है लेकिन दस्तावेजों में ये इंडिया है। संविधान की प्रस्तावना में ये लिखा गया है 'India that is Bharat'.

३) वन्देमातरम पर रोक : भारत की संसद में वन्दे मातरम नहीं गाया जायेगा अगले ५० वर्षों तक यानि १९९७ तक। १९९७ में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने इस मुद्दे को संसद में उठाया तब जाकर पहली बार संसद में वन्देमातरम गाया गया।

४) क्राँतिकारियों को आतंकवादी : सुभाष चन्द्र बोस को जिन्दा या मुर्दा अंग्रेजों के हवाले करना था। यही वजह रही कि सुभाष चन्द्र बोस लापता रहे। भारत का एक महान क्रांतिकारी अपने ही देश के लिए बेगाना हो गया। इस संधि की शर्तों के अनुसार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, अशफाकउल्ला खाँ, रामप्रसाद बिस्मिल आदि जैसे लोग आतंकवादी थे और यही हमारे स्कूली पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता है।

५) अत्याचारी अंग्रेज का यशोगान : भारत के सभी बड़े रेलवे स्टेशन पर एक किताब की दुकान देखते होंगे 'व्हीलर बुक स्टोर'वह इसी संधि की शर्तो के अनुसार है। यह व्हीलर कौन था ? सबसे बडा अत्याचारी व्हीलर ने इस देश की हजारों माँ, बहन और बेटियों के साथ बलात्कार करवाया व किया। इसने किसानों पर सबसे ज्यादा गोलियां चलवाई थीं। १८५७ की क्रांति के बाद कानपुर के नजदीक बिठूर में व्हीलर और नील नामक दो अंग्रेजों ने यहाँ के सभी २४ हजार लोगों को जान से मरवा दिया था। इसी व्हीलर के नाम से इंग्लैंड में एक एजेंसी शुरू हुई थी और वही भारत में आ गयी। भारत आजाद हुआ तो ये खत्म होना चाहिए था, नहीं तो कम से कम नाम भी बदल देते लेकिन वो नहीं बदला गया क्योंकि ये इस संधि में है।

६) अभी तक अंग्रेजों के कानून चालू: अंग्रेज देश छोड़ के चले जायेंगे लेकिन इस देश में कोई भी कानून चाहे वो किसी भी क्षेत्र में हो, नहीं बदला

जायेगा । इसलिए आज भी इस देश में ३४,७३५ कानून वैसे के वैसे चल रहे हैं जैसे अंग्रेजों के समय चलता था इंडियन पोलिस एक्ट (Indian Police Act), इंडियन सिटीजनसिप एक्ट (Indian Citizenship Act), इंडियन पेनल कोड (Indian Penal Code) आदि (आइरलैंड़ (Ireland) में भी IPC चलता है और आइरलैंड़ में जहाँ "I" का मतलब आइरिस (Irish) है वही भारत के IPC में "I" का मतलब इंडिया है बाकी सब के सब कंटेंट एक ही है, अल्पविराम और पूर्ण विराम का भी अंतर नहीं है इंडियन एजुकेशन एक्ट (Indian Education Act), क्रिमिनल प्रोसेसिंग एक्ट (Criminal Procedure Act) एंव इंडियन इन्कमटैक्स एक्ट (Indian Income Tax Act) इत्यादि सब के सब अंग्रेजों के समय वाले कानून चल रहे हैं ।

७) अंग्रेजी नाम कायम : इस संधि के अनुसार अंग्रेजों द्वारा बनाये गए भवन जैसे के तैसे रखे जायेंगें । शहर व सड़क का नाम सब के सब वैसे ही रखे जायेंगे । आज देश का संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, राष्ट्रपति भवन कितने नाम गिनाऊँ सब के सब वैसे ही खड़े हैं।

८) विदेशी कम्पनियाँ जस की तस : इस संधि में यह भी है कि ईस्ट इंडिया कम्पनी तो जायेगी भारत से लेकिन बाकी १२६ विदेशी कंपनियां भारत में ही रहेंगी और भारत सरकार उनको पूरा संरक्षण देगी ।

९) अंग्रेजी भाषा को प्रोत्साहन : अंग्रेजी का स्थान अंग्रेजों के जाने के बाद वैसा ही रहेगा भारत में जैसा कि अभी (१९४६ में) है । कार्यालय, संसद, न्यायपालिका आदि में हर कहीं अंग्रेजी ही अंग्रेजी है जब कि इस देश में ९९% लोगों को अंग्रेजी नहीं आती है ।

१०) विनाशकारी मैकाले शिक्षा प्रणाली यथावत: हमारे यहाँ शिक्षा व्यवस्था अंग्रेजों की है क्योंकि ये इस संधि में लिखा है । अंग्रेजों ने हमारे यहाँ अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था दी और अपने यहाँ अलग किस्म की शिक्षा व्यवस्था रखी है । हमारे यहाँ शिक्षा में डिग्री का महत्व है और उनके यहाँ ठीक उल्टा है । यह जो ३० अंक में उत्तीर्ण आप देखते हैं वह इसी गलत

शिक्षा व्यवस्था की देन है । ऐसे शिक्षा तंत्र से सिर्फ बेवकूफ (मूर्ख)ही पैदा हो सकते हैं और यही अंग्रेज चाहते थे ।

इस संधि के हिसाब से हमारे देश में गुरुकुल संस्कृति को कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जायेगा । भारत देश की समृद्धि और यहाँ मौजूद उच्च तकनीक की वजह ये गुरुकुल ही थे और अंग्रेजों ने सबसे पहले इस देश की गुरुकुल परंपरा को ही तोड़ा था । गुरुकुल का मतलब हम लोग केवल वेद, पुराण, उपनिषद ही समझते हैं जो कि हमारी मूर्खता है अगर आज की भाषा में कहूं तो ये गुरुकुल जो होते थे ह सब के सब उच्चस्तरीय शिक्षा संस्थान (Higher Learning Institute) हुआ करते थे ।

११) कत्लखाने चालू : अंग्रेजों के आने के पहले इस देश में गायों को काटने का कोई कत्लखाना नहीं था । अंग्रेज यहाँ आये तो उन्होंने पहली बार सन १९६० में रावर्ट क्लाइव द्वारा कलकत्ता में गाय काटने का कत्लखाना शुरू करवाया । पहला शराबखाना, पहला वेश्यालय शुरू किया गया और इस देश में जहाँ-जहाँ अंग्रेजों की छावनी हुआ करती थी वहां वहां यह सब के सब खोले गये । ऐसे पूरे देश में ३५५ छावनियां थी उन अंग्रेजों की । यह सब क्यों बनाये गए थे ये आप सब आसानी से समझ सकते हैं । अंग्रेजों के जाने के बाद ये सब खत्म हो जाना चाहिए था लेकिन नहीं हुआ क्यों कि यह सब भी इसी संधि में हैं ।

१२) आयुर्वेद को खत्म करने की साजिश : इस संधि की शर्तों के हिसाब से हमारे देश में आयुर्वेद को कोई सहयोग नहीं दिया जायेगा मतलब हमारे देश की विद्या हमारे ही देश में खत्म हो जाये यह साजिश की गयी । आयुर्वेद को अंग्रेजों ने नष्ट करने का भरसक प्रयास किया था लेकिन ऐसा कर नहीं पाए । दुनियाँ में जितने भी पैथी हैं उनमें यह होता है कि पहले आप बीमार हों तो आपका इलाज होगा लेकिन आयुर्वेद एक ऐसी विद्या है जिसमें कहा जाता है कि आप बीमार ही मत पड़िये । आयुर्वेद को आज हमारी सरकार ने हाशिये पर पंहुचा दिया है ।

१३) भारत में ब्रिटिश संसदीय प्रणाली : हमारे देश में जो संसदीय लोकतंत्र है वो दरअसल अंग्रेजों का वेस्टमिन्स्टर सिस्टम है । यह अंग्रेजों की इंग्लैंड की संसदीय प्रणाली है यह कहीं से भी न संसदीय है और न ही लोकतान्त्रिक है लेकिन इस देश में वही प्रणाली है क्योंकि वो इस संधि में लिखा गया है। इसी वेस्टमिन्स्टर सिस्टम को महात्मा गाँधी बाँझ और वेश्या कहते थे ।

१४) आज भी भारत ब्रिटिश का गुलाम : १५ अगस्त १९४७ को हमारी आजादी की बात कही जाती है वो झूठ है और कामनवेल्थ नेशन में हमारी एंट्री जो है वो एक डोमेन स्टेट के रूप में है न कि स्वत्रंत्र राज्य के रुप में । हमारे देश का राष्ट्रपति देश का प्रथम नागरिक नहीं है । एक शब्द आप सुनते होंगे 'हाई कमीशन', (High Commission) ये अंग्रेजों का एक गुलाम देश दूसरे गुलाम देश के यहाँ खोलता है लेकिन इसे एम्बसी (Embassy) नहीं कहा जाता ।

ऐसी अनेकों शर्तें है जिसका अध्ययन करना जरुरी है । इस देश में जो कुछ भी अभी चल रहा है वह सब अंग्रेजों का है हमारा कुछ नहीं है भारत की गुलामी जो अंग्रेजों के जमाने में थी, अंग्रेजों के जाने के बाद आज भी जस की तस है क्योंकि हमने संधि कर रखी है और इस देश को इन खतरनाक संधियों के मकड़जाल में फंसा रखा है ।

राष्ट्रवादियों की देशभक्ति व कांग्रेसियों का देशद्रोह

महान देशभक्त रास बिहारी बोस तथा श्याम जी कृष्ण वर्मा ने विदेशों में घूमकर इंडियन नेशनल आर्मी बनायी। मार्च १९४२ में इस सेना ने टोकियो में घोषणा की कि भारत से बाहरी और अजनबी हथियार बंद गिरोहों के झुंड के रूप में फैले अंग्रेजों को मार भगाया जाएगा । इंडियन आर्मी की घोषणा से घबराकर अंग्रेजों ने कुछ लोगों से भारत में शांतिपूर्ण आंदोलन की घोषणा करवायी । ९ अगस्त १९४२ को प्रारंभ यह आंदोलन ६ माह बाद टांय-टांय फिस्स हो गया और कुचल दिया गया । जब जेल में बंद नेहरू से आततायी अंग्रेजों ने वार्ता की, तब नेहरू ने घोषणा की कि भारत की आजादी दिलाने वाले सुभाषचंद्र बोस से लड़ाई लड़ने मैं कोहिमा जाऊंगा ।

२ जुलाई १९४३ को सिंगापुर में स्वाधीन भारत सरकार की घोषणा कर दी गयी। सोवियत संघ, जर्मनी, इटली, जापान, फ्रांस, आयरलैंड म्यांमार, थाईलैंड आदि १२ देशों ने इसे मान्यता दे दी। जब यह निश्चित हो गया कि अंग्रेजों को भारत से मार-मारकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस भगा देंगे तो स्वाधीन भारत सरकार की सेनाएं टोकियो एवं सिंगापुर से भारत के विभिन्न-नगरों में पैराशूट से उतरी व अंग्रेजों द्वारा भर्ती भारतीय सेना में भी नेताजी के प्रति प्रशंसा और आदर फैलाने लगी तब अंग्रेजों ने घबराकर सत्ता का हस्तांतरण कर भागने की तैयारी की। कांग्रेस ने अंग्रेजों से शांतिवार्ता कर सन् १९४३ से ही सत्ता हथियाने की योजना पर काम किया जिसके कारण भारत से अंग्रेजों क विदाई ४ साल के लिए रुक गयी अन्यथा वे १९४३ में मारकर भगा दिए जाते। इस प्रकार ब्रिटिश हिस्से वाले भारत की स्वाधीनता को चार वर्षों तक रोक रखना कांग्रेस का महापाप व राष्ट्रद्रोह था।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस और क्रांतिकारी वीरों तथा वीर सैनिकों के कारण अंग्रेजों को भारत से भागना पड़ा था। अंग्रेजों ने कहा कि हम सत्ता उसे देंगे जो हमारी शर्तें माने। काले अंग्रेज नेहरू ने अंग्रेजों की कई भयानक शर्तें 'सत्ता के हस्तांतरण की संधि' के रुप में स्वीकार की।

➢ **भारत में रक्तपात व विभाजन की नयी विभीषिका :**

सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद द्वारा तैयार कानून 'साम्प्रदायिक हिंसा रोकथाम विधेयक' जो भारत में बड़े रक्तपात और विभाजन की बुनियाद रखेगा। हिन्दू अपने ही राष्ट्र में दोयम दर्जे का एक भयभीत और गुलाम नागरिक होगा। कानून कितना भयावह होगा आप स्वयं देखिये।

इस कानून से दंगों के लिए बहुसंख्यक हिन्दू दोषी माने जायेंगे, चाहे दंगा मुसलमान करें। मुसलमान ने हिन्दुओं के विरुद्ध शिकायत की तो पुलिस बिना जाँच के हिन्दू को गिरफ्तार करेगी। अल्पसंख्यक मुसलमान पुरुष द्वारा हिन्दू औरतों के बलात्कार को अपराध नहीं माना जायेगा। दंगों

के कारण हिन्दुओं के जान माल का कितना भी नुकसान हुआ तो भी सरकारी मुआवजा सिर्फ मुसलमान को मिलेगा, हिन्दुओं को नहीं।

➢ **यहां हम कभी गुलाम नहीं थे :**

बाहरी-अजनबी आततायी गिरोह अंग्रेजों को कांग्रेस ने भारत के शासक प्रचारित करना शुरू किया था। १९१२ ईस्वी में पहली बार अंग्रेज अपने हिस्से के भारत की राजधानी कोलकाता से दिल्ली ले गए परंतु चाटुकार कांग्रेस ने कंपनी के जमाने से ही पूरे भारत को अंग्रेजों का गुलाम प्रचारित किया । १९४७ ईस्वी तक स्वतंत्र रहे राज्यों ने, सरदार पटेल के अनुरोध पर देशभक्ति की भावना से भरकर नए संघ राज्य में अपने-अपने राज्यों का विलय किया था। इसमें उन राजाओं की महान देशभक्ति थी।

टिहरी, ग्वालियर, जोधपुर, जयपुर, बीकानेर, जैसलमेर, रीवा, त्रावणकोट, कोचीन, बड़ौदा, जम्मू, लद्दाख, बहावलपुर, कपूरथला, जींद, फरीदकोट,पटियाला, नाभा, कुल्लू, कांगड़ा, रामपुर, काशी, तिरहुत, दरभंगा, भोपाल, इंदौर, रोहतक, मेवात, आमरा, भरतपुर, धौलपुर, नौगांवी, कोटा, बूंदी, भावनगर, नवानगर, पोरबंदर, कोल्हापुर, हैदराबाद, मैसूर-ये राज्य एक दिन भी अंग्रेजी शासन में नहीं थे ।

यदि काशीनरेश स्वतंत्र न होते तो काशी हिन्दू विश्वनिद्यालय के लिए १,००० एकड़ भूमि वे कभी नहीं दे सकते थे । इसके लिए अंग्रेजों से इजाजत लेनी पड़ती पर वह नहीं लेनी पड़ी। बड़ौदा नरेश स्वतंत्र न होते तो श्री अरविंद को अपने यहां नहीं रख सकते थे। इसी राज्य की अच्छी व्यवस्था देखकर स्वामी विवेकानन्द खूब सराहना करते थे।

प्रथम और द्वितीय महायुद्ध में बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर, रीवा, ग्वालियर आदि राज्यों के राजा अपनी-अपनी सेना के साथ इंग्लैंड के पक्ष में स्वतंत्र राज्य की हैसियत से लड़े थे । इंग्लैंड की रानी से उनकी बराबरी की मैत्री थी। भारतीय सेनाओं के शौर्य से दोनों महायुद्धों में इंग्लैंड का पक्ष जीत सका। परंतु इसे भी छिपाया गया।

➢ आज की समस्यायों का जनक जवाहर लाल नेहरु :

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रामप्रसाद मिश्र ने जवाहरलाल नेहरू को स्वतंत्र भारत का शोक कहा है। सुरा और सुन्दरियो मे चूर होकर नेहरू ने जो नये भारत की नींव डाली थी वहीं नींव आज भारत का दागदार ललाट बन चुकी है। नेहरू ने अपनी सत्ता के लालच में पकिस्तान बना दिया और कश्मीर को देशद्रोहियों और आतंकवादियों के हवाले कर दिया, चीन से दोस्ती के नाम पर भारत के बहादुर सैनिकों को अंतिम समय तक आगे बढ़ने से रोके रखा और इस कारण से आज तक हज़ारों वर्गकिलोमीटर भारत की जमीन पर चीन का कब्ज़ा है। आज देश में जो आतंकवाद, कश्मीर की समस्या, राष्ट्र भाषा हिन्दी की उपेक्षा आदि इन सभी समस्याओं का जनक जवाहर लाल नेहरू है। आगे नेहरू वंश ने 'बांटो और राज करो' की नीति का घिनौना प्रयोग कर सफलता प्राप्त की। राष्ट्र को हिन्दू-मुसलमान, ईसाई, सिक्ख, बौद्ध इत्यादि में बुरी तरह खण्डित किया, साथ ही हिन्दुओं का आर्य-द्रविण-सवर्ण-पिछड़ा-आदिवासी वर्गो में विभक्त किया।

➢ नेहरू कैसे बना प्रधानमंत्री !

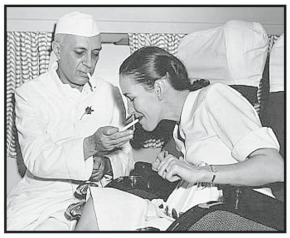

कांग्रेस में नेहरू को कोई पसंद नहीं करता था किन्तु नेहरू को पसंद करने वालों में सबसे ऊपर थे अंग्रेज और उन्हीं अंग्रेजों का नुमाइंदा था माउंट बैटन। माउंट बैटन को भारत भेजने का मुख्य कारण ही यह था कि काले अंग्रेज नेहरू को फाँसना चाहते थे और यह काम किया माउंट बैटन और उसकी पत्नी ने। नेहरू कोई जन नेता नहीं था उसे तो अंग्रेजों ने मीडिया द्वारा प्रचारित किया और उसकी उज्ज्वल छवि बनानी चाही क्योंकि सभी अंग्रेज नेहरू के बारे में कहा करते थे कि यह आदमी शरीर से भारतीय है किन्तु इसकी आत्मा बिल्कुल अंग्रेज है। अंग्रेज भारत छोड़ भी दें तो नेहरू अंग्रेजों का शासन और उनके कानून भारत में चलाता रहेगा और भारत

हमेशा के लिये ब्रिटेन का उपनिवेश (British Domenion State) बनकर रहेगा। कांग्रेस कार्यकारिणी के चुनावों में प्रधानमंत्री पद के लिए हुए चुनाव में १५ में से १४ वोट सरदार पटेल के पक्ष में पड़े थे और १ वोट नेहरू के पक्ष में । चुनाव हारने के बाद जब नेहरू को लगा कि अब मेरी दाल नहीं गलने वाली है तो वह गांधी जी के पास गया और उन्हें धमकाया । गांधी जी ने सरदार पटेल को एक पत्र द्वारा पटेल से अपना नाम प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार से वापस लेने की प्रार्थना की और यह पत्र आप चाहें तो देख सकते हैं ।

सत्तालोलुप जवाहरलाल नेहरु अंग्रेजों की सत्ता का उत्तराधिकारी बना और उसने देश को आजाद नहीं होने दिया। किसी भी राष्ट्र में कानून का स्रोत विदेशी शासन में बने कानून और रची गयी प्रथाएँ नहीं है। यह सब नेहरु और अंग्रेजों की करतूत है । नेहरु खुद कहते थे ' मैं शिक्षा से अंग्रेज हूँ संस्कृति से मुसलमान और किसी दुर्घटनावश हिन्दू बना हूँ। '

➢ चन्द्रशेखर आजाद को धोखे से मरवाने वाला नेहरू

चंद्रशेखर आजाद की मौत से जुड़ी फाइल आज भी लखनऊ के सीआइडी ऑफिस १- गोखले मार्ग मे रखी है । उस फाइल को नेहरू ने सार्वजनिक करने से मना कर दिया था । इतना ही नहीं नेहरू ने उत्तरप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री गोविन्द वल्लभ पन्त को उस फाइल को नष्ट करने का आदेश दिया था । चूँकि पन्त जी खुद एक महान क्रांतिकारी रहे, इसलिए उन्होंने नेहरू को झूठी सुचना दी कि उस फाइल को नष्ट कर दिया गया है । क्या है उस फाइल में ? उस फाइल में इलाहाबाद के तत्कालीन पुलिस सुपरिटेन्डेंट मिस्टर नॉट वावर के बयान दर्ज है जिसकी अगुवाई मे ही पुलिस ने अल्फ्रेड पार्क मे बैठे आजाद को घेर लिया था और एक भीषण गोलीबारी के बाद आजाद शहीद हुए ।

नॉट वावर ने अपने बयान मे कहा है कि मैं खाना खा रहा था तभी नेहरू का एक संदेशवाहक आया उसने कहा कि नेहरू जी ने एक संदेश

दिया है कि आपका शिकार अल्फ्रेड पार्क में है और तीन बजे तक रहेगा। मैं कुछ समझा नहीं फिर मैं तुरंत आनंद भवन भागा और नेहरू ने बताया कि अभी आजाद अपने साथियों के साथ आया था वह रूस जाने के लिए बारह सौ रुपये मांग रहा था मैंने उसे अल्फ्रेड पार्क में बैठने को कहा है। फिर मैंने बिना देरी किये पुलिस बल लेकर अल्फ्रेड पार्क को चारों ओर से घेर लिया और आजाद को आत्मसमर्पण करने को कहा। पांच गोली से आजाद ने हमारे पांच लोगों को मारा फिर छठी गोली अपने कनपटी पर मार ली।

आजाद नेहरू से मिलने क्यों गए थे ? इसके दो कारण थे भगत सिंह की फांसी की सजा माफ.करवाना तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की लड़ाई को आगे जारी रखने के लिए रूस जाकर स्टालिन की मदद लेने की योजना।

➢ **नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु का सच :**

नेता जी सुभाषचन्द्र बोस विमान दुर्घटना में नही मारे गए बल्कि रूस ने उन्हें अपना बंदी बना कर रखा था। विमान को सिर्फ दिखाने के लिए दुर्घटनाग्रस्त कर दिया गया था। ये सारी बातें पंडित नेहरू, जिन्ना आदि को मालूम थीं। सब कुछ जानने के बाद भी इन सभी ने, नेता जी को भारत लाने का कोई प्रयास नही किया, उल्टा ब्रिटिश सरकार को एक समझौता पत्र हस्ताक्षर करके सौंप दिया कि अगर नेता जी भारत आये तो उन्हें बंदी बना करके ब्रिटिश सरकार को सौंप दिया जायेगा।

➢ **भारत को गुलाम बनाने का कांग्रेसी षड्यंत्र-आधार कार्ड :**

यू. पी. ए . सरकार ने आधार कार्ड का ठेका न्यूयार्क की ऐसी कम्पनी को दिया है जिसे बदनाम अमरीकी खुफिया एजेंसी सी. आई. ए . ने बनाया है। इससे भारतीय नागरिकों की पूरी जानकारी इस खुफिया एजेंसी के पास चली गयी है और देश की सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह लग गया है। इससे लोगों की गोपनियता प्रभावित हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में एक निवृत्त न्यायाधिश ने जनहित याचिका दाखिल कर आधार कार्ड की वैधता को चुनौती दी

है । यह संविधान के अनुच्छेद-१४ (राइट टु इक्वेलिटी) और अनुच्छेद-२१ (राइट टू लाइफ ऐंड लिबर्टी) में दखल है। आधार कार्ड से हर आदमी की मोनिटरिंग की जा सकती है । सरकार कहती है कि यह आधार स्कीम स्वैच्छिक है लेकिन ऐसा नहीं हो रहा । आधार कार्ड तमाम तरह की सुविधाओं के लिए अनिवार्य किया जा रहा है ।

६ बिलियन डॉलर इनफोसिस को देने के लिए और बांग्लादेशी घुसपैठियों का वोट बैंक बनाने के लिए कांग्रेस ने आधार का गठन किया । जिस प्रस्ताव के द्वारा आधार समिति का गठन किया गया उस पर अभी तक संसद में कोई आम राय नहीं बनी है । अभी तक यह समिति अवैध है।

मुंबई मे ५० हजार से ज्यादा बांग्लादेशियों के आधार कार्ड का जखीरा पकड़ा गया । अब तक बने २० करोड़ आधार कार्ड में ज्यादातर अल्पसंख्यकों के बने हैं । घुसपैठियों / बंगलादेशियों को यह देकर पक्का भारतवासी बनाने की साजिश चल रही है । यदि सरकार की नियत साफ़ होती तो मतदान को ही यूनिक बना दिया जाता ।

➢ कांग्रेस द्वारा हिन्दुओं का पैसा ईसाईयों व मुसलमानों पर खर्च :

श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों एवं धर्मार्थ हेतु दी गयी दान-राशि मुस्लिमों व ईसाइयों के कल्याण के लिए खर्च की जाती है और हिन्दू तीर्थ यात्रियों (अमरनाथ, कैलाश और शबरीमलय आदि) पर यात्रा कर लगाया जाता है मुसलमानों को करोड़ों की हज सबसिडी, इमामों को हर महीने २५०० रु., दंगा नियंत्रण पुलिस पर खर्च, आतंकवादियों को पेन्शन, मुस्लिम छात्रा को ३०,००० रु., इस्लामी कॉलेजों को अनुदान, आतंकियों को वी.आई.पी. जेल आदि। भारत में १४ प्रतिशत मुसलमानों को अल्पसंख्यक कहना कहाँ तक उचित है ?

➢ हिन्दुओं पर कांग्रेस का अत्याचार :

हिन्दू बहुल भारत, वर्षों से सेक्युलर है और मुस्लिम बहुल देश केवल इस्लामिक देश है और वहाँ अल्पसंख्यकों को कोई अधिकार प्राप्त नहीं है ।

केरल प्रदेश के विधायक, सांसद व मंत्रीगण अल्लाह और जीसस के नाम से शपथ लेते हैं, जो असंवैधानिक है। क्या वे हिन्दू राम या कृष्ण के नाम से शपथ नहीं ले सकते हैं ?

जम्मू-कश्मीर की लड़की से शादी कर एक पाकिस्तानी भारतीय बन सकता है परंतु यदि वही लड़की जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त भारत के अन्य प्रांतीय से शादी करती है तो उसकी जम्मू-कश्मीर की नागरिकता समाप्त कर दी जाती है । जम्मू-कश्मीर में दो लाख हिन्दू मतदाता संसदीय चुनाव में तो वोट देते हैं परंतु विधानसभा चुनाव में उन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं है क्यों.. ?

एक आर्क बिशप के ऊपर भारत के किसी भी न्यायालय में मुकदमा नहीं चल सकता । जब किसी व्यक्ति को आर्क बिशप बनाया जाता है वह स्वाभाविक रूप से वैटिकन नागरिक बन जाता है और उसे वैटिकन का पास पोर्ट मिल जाता है । क्या कानून के सामने सब बराबर हैं, क्या यही प्रमाण हैं ।

मुसलमान एक समय में चार पत्नियाँ रख सकता है और यह कानून संविधान सम्मत है। परंतु एक हिन्दू यदि एक से अधिक पत्नी रखता है, तो वह असंवैधानिक है और कानून के खिलाफ है। वह कानून भंग करने के लिए दोषी है। क्या यह कानून की दृष्टि में विरोधाभाष नहीं है ? हैदराबाद में एक साठ वर्षीय अरबी ने दस मिनट के अंदर अफ्रीन, फरधीन और सुल्ताना नामक तीन लड़कियों से शादी की। यदि यह बलात्कार नहीं है, तो और क्या है ? क्या यहाँ मवेशी खाना है ?

भारतीय सेना द्वारा मारे गये पाकिस्तान के मुसलमान आतंकवादियों के परिवारवालों को पेन्शन और नौकरी देगी भारत की कांग्रेस सरकार। गोधरा में ५९ हिन्दुओं के नरसंहार के लिए कोई सहानुभूति नहीं ?

जनता की आवाज

- अगर देश को बचाना है तो अब कांग्रेस पार्टी को खत्म कर दो। **- माहात्मा गांधी (१९४६ में)**
- कांग्रेस एक सर्कस पार्टी है । सोनिया व अहमद आवास कांग्रेस पार्टी से ज्यादा ताकतवर है ।

-मणिशंकर अय्यर (दिग्गज कांग्रेसी नेता), २५-७-२०११

- अंग्रेजों ने जो नियम कायदे बनाये उन्हीं को हम अभी तक ढो रहे हैं। हमारे संविधान में हमारा कुछ नही झलकता।

- रामबहादुर राय (वरिष्ठ पत्रकार)

- यदि कांग्रेस का विसर्जन नहीं हुआ, तो देशका विनाश होगा !

- प्रमोद मुतालिक (अध्यक्ष श्रीराम सेना)

- हमें सरकार नहीं व्यवस्था बदलनी होगी । इसके लिए हम सबको ही सड़कों पर उतरना होगा और इस सड़ी गली व्यवस्था को जड़ मूल से समाप्त करना होगा। **- स्वर्गीय श्री राजीव दीक्षित**
- सोनिया गांधी मात्र विदेशी ही नहीं विधर्मी भी है। उसे भारत की संस्कृति, इतिहास एवं भूगोल की लेश मात्र जानकारी नहीं है, ऐसे में उससे देशहित में कार्य करने की कल्पना करना ही गलत होगा। **- सांसद योगी आदित्यनाथ**
- सुरक्षा के प्रति लापरवाह यूपीए सरकार ने न केवल रक्षा बज़ट घटाया बल्कि सैन्य आधुनिकीरण के तमाम रास्ते अवरुद्ध कर दिए हैं।

- गगनदीप बक्शी (मेजर जनरल)

- जो अल्पमत जबरदस्ती देश का विभाजन करा सकता है, उसे आप अल्पसंख्यक क्यूँ समझते हैं ? वह एक मजबूत सुसंगठित अल्पमत है, फिर उसे संरक्षण एवं विशेष सुविधाएं क्यूँ ? **- सरदार वल्लभ भाई पटेल**

(२५-२६ मई १९४९ को संविधान सभा में)

- अंग्रेज भारत से गये तो नेताजी सुभास चंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज के डर से। **- क्लेमंट एटली (तत्कालीन प्रधानमंत्री ब्रितानिया)**
- नीच कांग्रेस ने संसद में आजाद हिंद फौज को गद्दार कहते हुए आजाद हिंद फौज के पूर्व फौजियों को सेना की तरह पेंशन और दूसरी सुविधाएँ देने से मना कर दिया था। **- श्रीपाद कुलकर्णी (बांगर)**

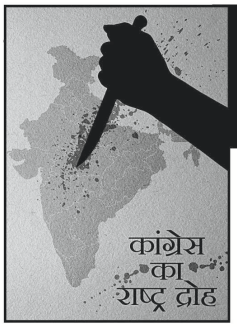

भारत में कोंग्रेस द्वारा धर्मनिरपेक्षता का तांडव

धर्मरिपेक्ष शब्द भारतीय संविधान में आपातकाल के दिनों में ३ जनवरी १९७७ को सभी विपक्षी नेता , विचारक , लेखकों आदि को जेलों में बंदकर के दस मिनट में पारित कर दिया गया । नि:संदेह इसने अनेक प्रश्नों को जन्म दिया । अपातकाल में ऐसी कौन सी आवश्यकता आ पड़ी थी जो इसे अलोकतांत्रिक ढंग से जनमत को समझे बिना भारतीय संविधान का भाग बनाया गया ? इसने कांग्रेस पार्टी के हितों को सर्वोपरि तथा राष्ट्रहितों को तार-तार कर दिया ।

धर्मनिरपेक्ष का उद्देश्य भारत की प्राचीन संस्कृति का दमन करना है। अधिकतर विद्वानों ने इसे ब्रिटिश मानसिकता की उपज तथा यूरोप से आयातित विचार बतलाया जिसने अनेक भ्रांतियों को जन्म दिया । सेकुलरिज्म के नाम पर देश से बहुत ही राजनीतिक , सामाजिक , संवैधानिक ठगी हुई है। इसके सहारे बहुत बार लोकतंत्र का गला घोंटा गया है और देश के बहुसंख्यक समज को अपमानित किया गया है । धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सभी अपराध छिप जाते है या छिपा दिए जाते हैं। यह सब कांग्रेस की इंद्रिरा गांधी ने शुरु करवाया ।

हिन्दी

सन्दर्भ :

- The Red Saree"(Javier Moro, Spain)
- http://anil9gupta.jagranjunction.com/?p=270
- www.hindujanjagratisamiti.org/hindi
- www.hindujagruti.org/hindi
- Ms.Kanchan Gupta (23/04/1999 www.rediff.com)
- Unmasking Sonia Gandhi (S.Gurumurty) ♦ gandhiheritage.org
- पुस्तकें :६५० सच्चाइयों को जाने.. -पी. दैवमुथु, पाञ्यजन्य ७ अप्रैल,व १ दिसम्बर २०१३, पाथेय कण १ जनवरी २०१४, पथिक संदेश दिसंबर २०१३, नवभारत टाइम्स - Nov 27, 2013, पी. देवमुत्तु, संपादक हिंदू वाइस (पत्रिका) नेहरु वंशावली (के.एन.राव), नेहरु के साथ मेरे दिन (एम.ओ.मथाई - नेहरू के निजी सचिव), नेहरू खान वंश की असलियत- (अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी), हिंदू-मुस्लिम रिलेशन(टी.एल.शर्मा), प्रोफाइल एंड लेटर्स (नटवरसिंह-भारत के पूर्व विदेश मंत्री), पर्सस पैसन एंड पॉलिटिक्स(मोहम्मद युनुस), द लाइफ ऑफ इंदिरा गांधी(कैथरीन फ्रैंक), एसेसिनेशन ऑफ राजीव गाँधी (डॉ.सुब्रमण्यम स्वामी),"

बहुरुपियों से सावधान

झूठ

नाम : राहुल गांधी
विवाह: अविवाहित
धर्म: हिन्दू
नागरिकता : भारतीय
कार्य : राजनेता
छवि : साफ-सुथरी छवि

सच

नाम : राउल विन्सी
विवाह : विदेशी लडकियों के साथ अनैतिक सम्बंध
धर्म: माँ ईसाई, बाप मुसलमान
नागरिकता : इटली के पासपोर्ट पर अमेरिका में गिरफ्तार
कार्य : वेटिकन चर्च के लिए कार्य
छवि : भ्रष्टाचारी, षडयंत्रकारी

झूठ

नाम : सोनिया गांधी
जन्मस्थान : ओरबेस्सानो
शिक्षा : केम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में डिप्लोमा
कार्य : राजनेता
छवि : साफ-सुथरी छवि

सच

नाम : ऐंटोनिया माईनो
जन्मस्थान : लूसियाना
शिक्षा : कॉलेज का कभी मुँह तक नही देखा
कार्य : रूसी जासूसी संस्था केजीबी की एजेन्ट
छवि : भ्रष्टाचारी, घोटालेबाज

झूठ

नाम : राजीव गांधी
धर्म: हिन्दू
कार्य : राजनेता
निष्ठा : भारत के प्रति

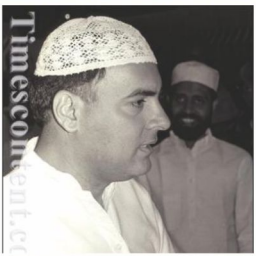

सच

नाम : राजीव रोवोर्टो
धर्म : मुसलमान से ईसाई बना
कार्य : भारत को दारुल ईस्लाम बनाना
निष्ठा : मुस्लिम जिहाद (८,००० हिन्दूओं का कत्ल)

झूठ

नाम : इंदिरा गांधी
पिता : जवाहरलाल नेहरू
धर्म: हिन्दू
कार्य : राजनेता
निष्ठा : भारत के प्रति

सच

नाम : फरजाना बेगम
पिता : मंजूर अली
धर्म : मुसलमान
कार्य : भारत को दारुल ईस्लाम बनाना
निष्ठा : मुस्लिम जिहाद(देश-विदेश में अनेक हिन्दूओं का कत्ल)

झूठ

जवाहर का पिता : मोतीलाल
धर्म: हिन्दू
कार्य : स्वत्रंत्रा सेनानी
पत्नि: कमला नेहरू

सच

पिता : मुबारक अली
धर्म : मुसलमान
कार्य : अंग्रेजो का एजेन्ट
अवैध संबंध : माउन्ट बेटेन आदि

माँ भारती का बच्चा बच्चा देश पर कुर्बान है।
कांग्रेस सत्ता के लिए करती देश को कुर्बान है ।।

- संविधान का असली निर्माता कौन ?
- नेहरु ने कैसे करवायी चन्दद्रशेखर आजाद की हत्या ?
- भारत के अधिकतर राज्य अंग्रेजा के गुलामी में नही थे ।
- भारत में कांग्रेस ने कैसे किया धर्मनिरपेक्षता का ताण्डव ?
- देशद्रोही , स्त्री लंम्पट नेहरु भारत का प्रधानमंत्री कैसे बना ?
- वंदेमातरम पर रोक व क्रान्तिकारियों को आतंकवादी बताया ।
- आज भारत में किसकी बनायी शासन व्यवस्था चल रही है ?
- हिन्दुओं का पैसा ईसाई व मुसलमानों पर खर्च किया जा रहा है क्यों ?
- आजादी के बाद भारत में लूट, महगांई, बलात्कार, गरीबी, आतंकवाद आदि में बढोत्तरी व इसका जवादार कौन ?
- सत्ता के हस्तांतरण की संधि के तहत भारत आज भी अंग्रेजो का गुलाम ।
- किस तरह कांग्रेस ने आधार कार्ड द्वारा मुस्लिम घुसपैठियों को बनाया भारतीय व कैसे भारत को पुन: गुलाम बनाने की बनायी है योजना ?
- अंग्रेजो द्वारा भारत में आर्युवेद व गुरुकुल शिक्षा पद्धति को खत्म करने का काम अभी तक कैसे है चालू ?
- कांग्रेस ने अग्रेजो द्वारा खोले गये कत्लखानों, वैश्यालयों, शराबखानों आदि को आज तक यथावत चालू क्यों रखा ?
- भारत की जमीन पर पड़ोसी राज्यों का कब्जा और कांग्रेस सरकार भारत की जमीन उन्हें देने को तैयार क्यों ?
- हिन्दुओं को खत्म करने व भारत को ईसाई देश बनाने की योजना आज तक कैसे है चालु ?

सर्व सहमति देश की जनता की . . . यह पुस्तक जनहित में जारी है। कोई भी छपवाकर बाँट सकता है। यह देश का सेवाकार्य कोई भी कर सकता है, पक्का देशभक्त देशहित में जरूर करेगा। हमें यह विश्वास है।

All legal proceedings shall be subject to the jurisdiction of the courts in New Delhi.

संस्कृति रक्षक संघ
आध्यात्मिक भारत निर्माण
मुख्यालय : शास्त्री नगर, दिल्ली-110031, फोन : 011-32674126.
info@srsinternational.org www.srsinternational.org